Advantages and Disadvantages of External Evaluation

बाह्य मूल्यांकन के लाभ तथा दोष

SEMESTER IV,PAPER VIII B, UNIT- VI

Dr. Sweta Bagade

Asst. prof. (B.Ed)

GSCW Jamshedpur

Advantages of External Evaluation

बाह्य मूल्यांकन के लाभ

- The evaluation is likely to be more objective as the evaluators will have some distance from the work.

मूल्यांकन अधिक वस्तुनिष्ठ होने की संभावना है क्योंकि मूल्यांकनकर्ताओं की काम से कुछ दूरी होगी।

- The evaluator should have a range of evaluation skills and experience.

मूल्यांकनकर्ता के पास पर्याप्त मूल्यांकन कौशल और अनुभव होना चाहिए।

- Some times people are more willing to speak to outsiders then to insiders.

कभी –कभी लोग अंदरूनी लोगों की तुलना में बाहरी लोगों से बात करने के लिए अधिक इच्छुक होते हैं।

- Using an outside evaluator gives greater credibility to finding, particularly positive findings.

बाहर मूल्यांकनकर्ता का उपयोग करने से विशेष रूप से सकारात्मक निष्कर्षों को खोजने में अधिक विश्वसनीयता मिलती है।

Disadvantages of External Evaluation
बाह्य मूल्यांकन के दोष

- Someone from outside the organization or project may not understand the culture or even what the work is trying to achieve.

संगठन या परियोजना के बाहर से कोई व्यक्ति संस्कृति को नहीं समझ सकता है या यहां तक कि यह काम क्या हासिल करने की कोशिश कर रहा है।

- Those directly involved may feel threatened by outsiders & be less likely to talk openly co-operate in the process.

इसमें सीधे तौर पर शामिल होने वालों को बाहरी लोगों से खतरा महसूस हो सकता है और इस प्रक्रिया में खुलकर सहयोग करने की संभावना कम होती है।

- External evaluation can be very costly.

  बाह्य मूल्यांकन बहुत महंगा हो सकता है।

- An external evaluator may misunderstand what you want from the evaluation and not give you what you need.

  एक बाह्य मूल्यांकनकर्ता गलत समझ सकता है कि आप मूल्यांकन से क्या चाहते हैं और इसकारण आपको वह नहीं देंगे जो आपको चाहिए।

****